फ्रेडरिक डगलस

स्वतंत्रता सेनानी

गार्नेट नेल्सन

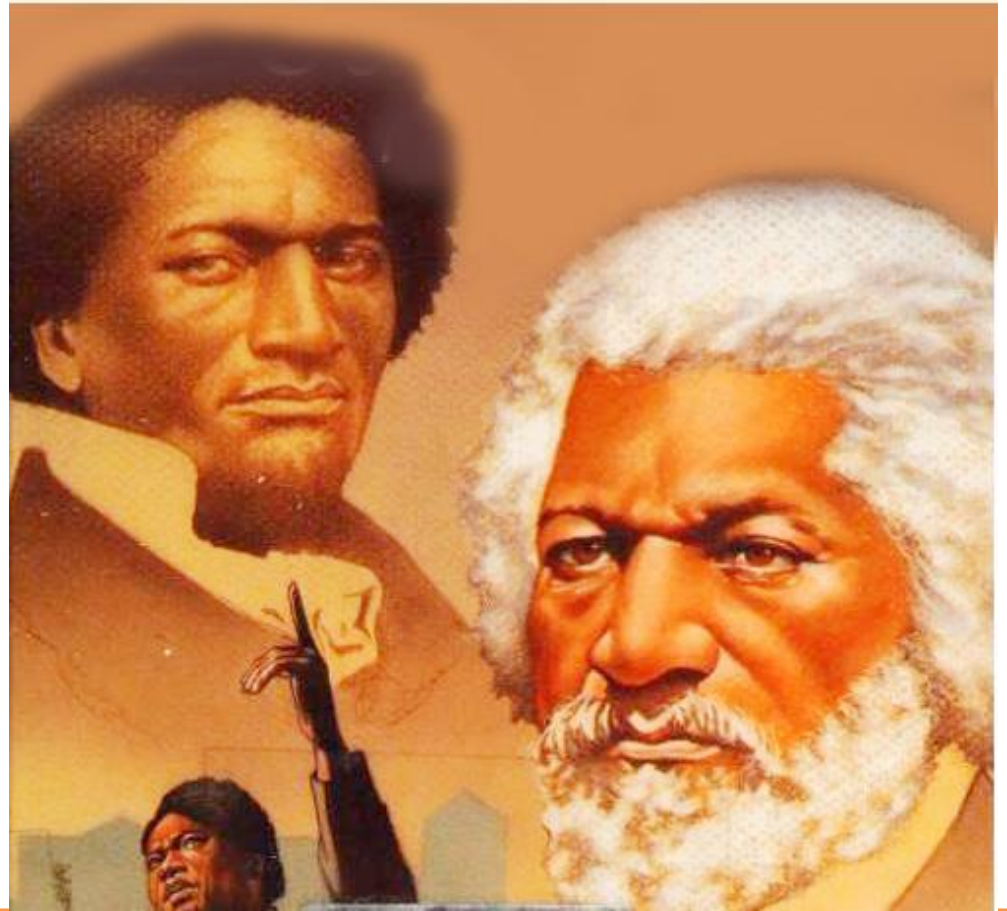

फ्रेडरिक डगलस

स्वतंत्रता सेनानी

गार्नेट नेल्सन

जब फ्रेडरिक डगलस एक युवा लड़का था तब वो कैप्टन एंथोनी के फार्म पर रहता था. वो दिन भर बगीचे में से मुर्गियों को भगाता था. फ्रेडरिक का काम मुर्गियों को बगीचे से बाहर रखना था.

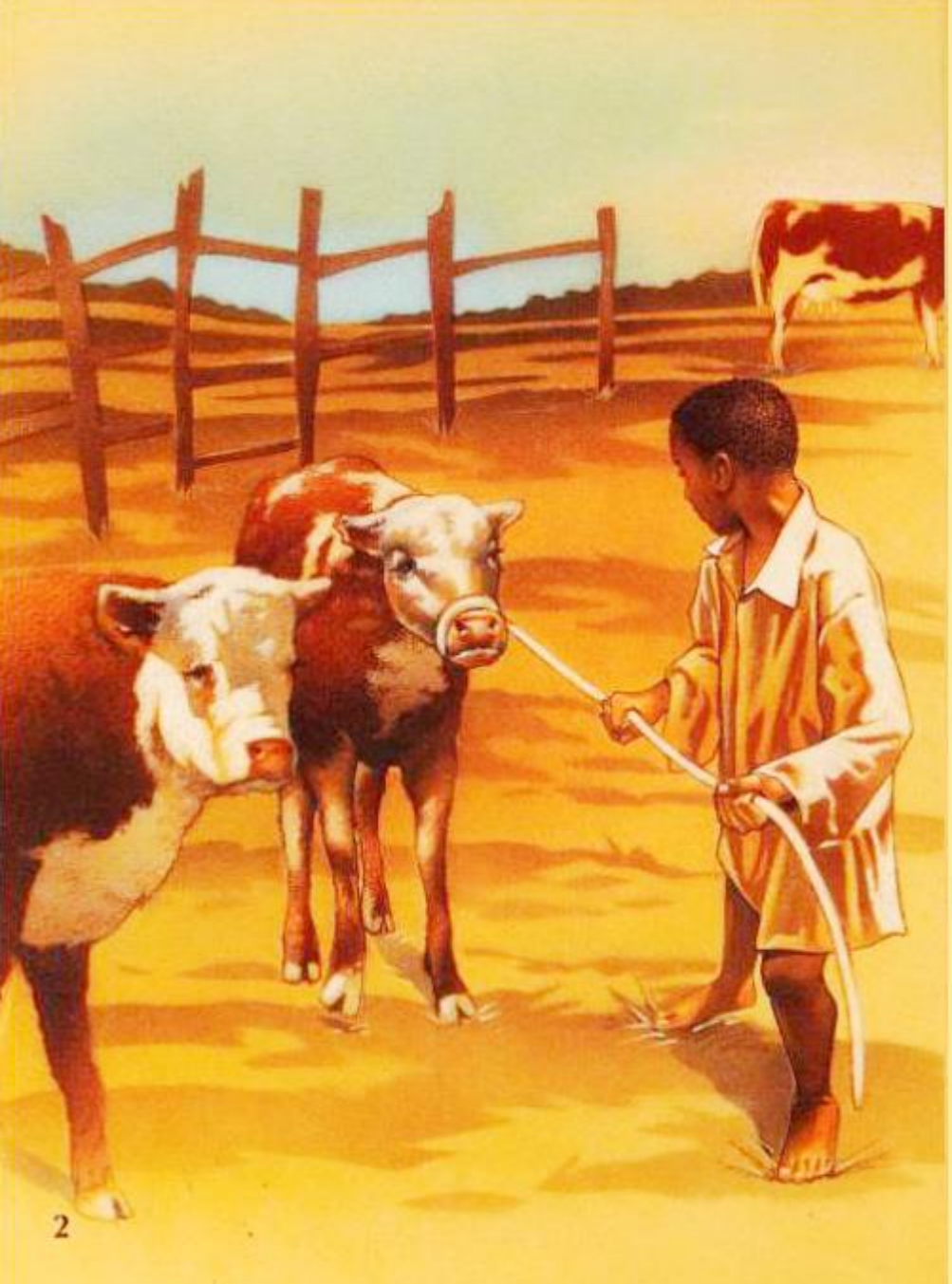

उसे खलिहान की सफाई भी करनी पड़ती थी, गायों को खलिहान में लेकर जाना पड़ता था और अनेकों छोटे-छोटे काम करने पड़ते थे. वो हमेशा दिल लगाकर अच्छा काम करता था. अगर वो ऐसा नहीं करता तो उसे सजा मिलती.

फ्रेडरिक, मैरीलैंड के एक फार्म पर, एक छोटा गुलाम लड़का था. पूरे दिन व्यस्त रहने के कारण वो हमेशा भूखा रहता था. रात के खाने के समय, वो अपने जैसे अन्य गुलाम बच्चों के साथ मक्का का दलिया खाता था.

दिन के अंत में, थके हुए बच्चे एक केबिन के फर्श पर दुबककर लेट जाते थे. वहाँ वे गहरी नींद सो जाते थे.

कैप्टन एंथोनी एक गुलाम मालिक थे. उनके पास कई गुलाम थे - पुरुष, महिलाएं और बच्चे. अपने गुलामों से वो बिना वेतन के काम कराते थे.

अगर गुलाम, कैप्टन एंथोनी और उसके सहायकों का आदेश नहीं मानते तो उन्हें दंडित किया जाता था.

वो गुलामी का दौर था. दिन का कठिन काम शुरू करने के लिए गुलामों को सुबह बहुत जल्दी उठना पड़ता था. दिन का अंत होते ही वो सोने चले जाते थे क्योंकि उन्हें अगले दिन काम पर जाने के लिए सुबह तड़के उठना पड़ता था.

उस कड़ी मेहनत की ज़िंदगी में कोई मज़ा नहीं था.

अक्सर गुलाम बच्चों को उनके माता-पिता से अलग रखा जाता था. इसलिए जब उसकी माँ उससे मिलने आती थीं तो फ़्रेडरिक बहुत ख़ुश होता था.

फ़्रेडरिक की माँ उससे कुछ मील दूर एक फार्म पर रहती थीं और वहां काम करती थीं. वो आमतौर पर रात के समय ही आती थीं जब फ़्रेडरिक सोने वाला होता था.

आखिरी बार जब फ्रेडरिक ने अपनी मां को देखा, तो वह उसके लिए दिल के आकार का केक लाईं थीं. फ्रेडरिक अपने जन्मदिन के बारे में बस इतना जानता था कि उनका जन्म फरवरी के महीने में हुआ था. बाद में उसने 14 फरवरी, वेलेंटाइन-डे को अपने जन्मदिन के रूप में चुना.

जिस तरह से गुलाम मालिक, अफ्रीकी-अमेरिकी गुलामों के साथ व्यवहार करते थे, उससे फ्रेडरिक बेहद नाखुश था. लेकिन उसने इस बात का किसी को कभी पता नहीं चलने दिया. वो बस कड़ी मेहनत करता था और स्वतंत्रता की योजना बनाते समय केवल मुस्कुराता रहता था.

क्योंकि फ़्रेडरिक होशियार और खुशमिज़ाज था, इसलिए लोग उसे बहुत पसंद करते थे. जब कैप्टन एंथोनी के रिश्तेदारों को एक नौकर की जरूरत पड़ी, तो उन्होंने आठ साल के फ्रेडरिक को ही चुना. फिर वो मैरीलैंड के बाल्टीमोर शहर में रहने चला गया. वहां उसके साथ अच्छा व्यवहार हुआ. वहां उसे खाने के लिए पर्याप्त भोजन मिलता था और पहनने के लिए अच्छे कपड़े मिलते थे.

बाल्टीमोर में ही उसने पढ़ना-लिखना सीखा.

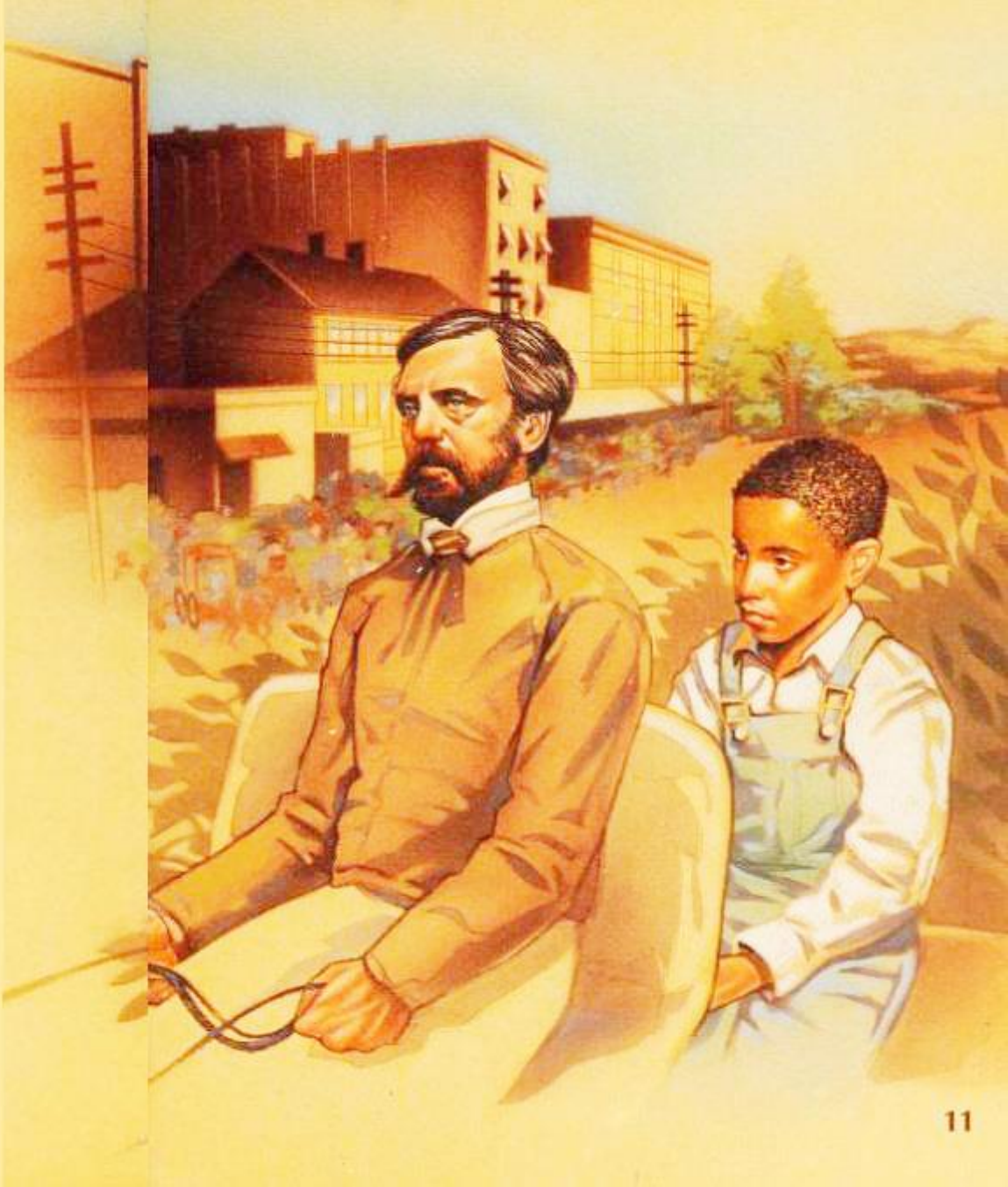

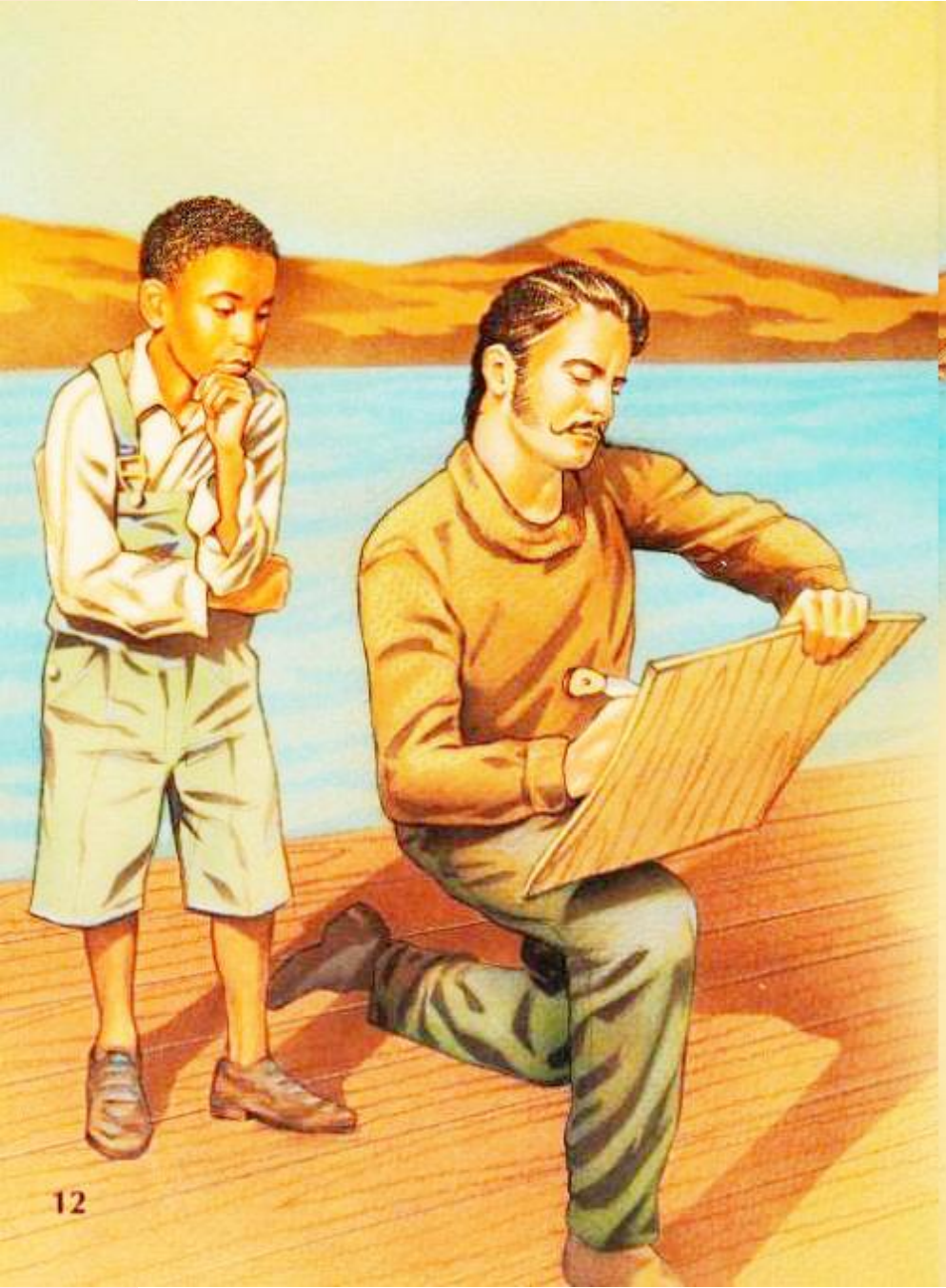

गुलाम बच्चों को स्कूल नहीं जाने दिया जाता था. पर फ्रेडरिक स्कूल जाने वाले गोरे बच्चों से पाठ पढ़ने के लिए उन्हें अपना भोजन देता था.

उसने बढ़ई को जहाजों के लिए लकड़ी के बने हिस्सों को लेबल लगाते देखकर कुछ अक्षर सीखे.

वो पड़ोस में अपने दोस्तों से मिलता और वहां बाड़ पर लगे एक बोर्ड पर अक्षर लिखने का अभ्यास करता था. वहां पर बच्चों ने उसे अक्षरों के नाम और उनकी ध्वनियाँ बताईं. उसने अक्षरों को एक साथ रखकर उनसे नए शब्द भी बनाए.

फ़्रेडरिक को एक पुरानी वर्तनी की किताब मिली जिसे वो हर समय अपनी जेब में रखता था.

और, जैसे-जैसे समय बीता, उसने उसके सभी शब्द सीख लिए.

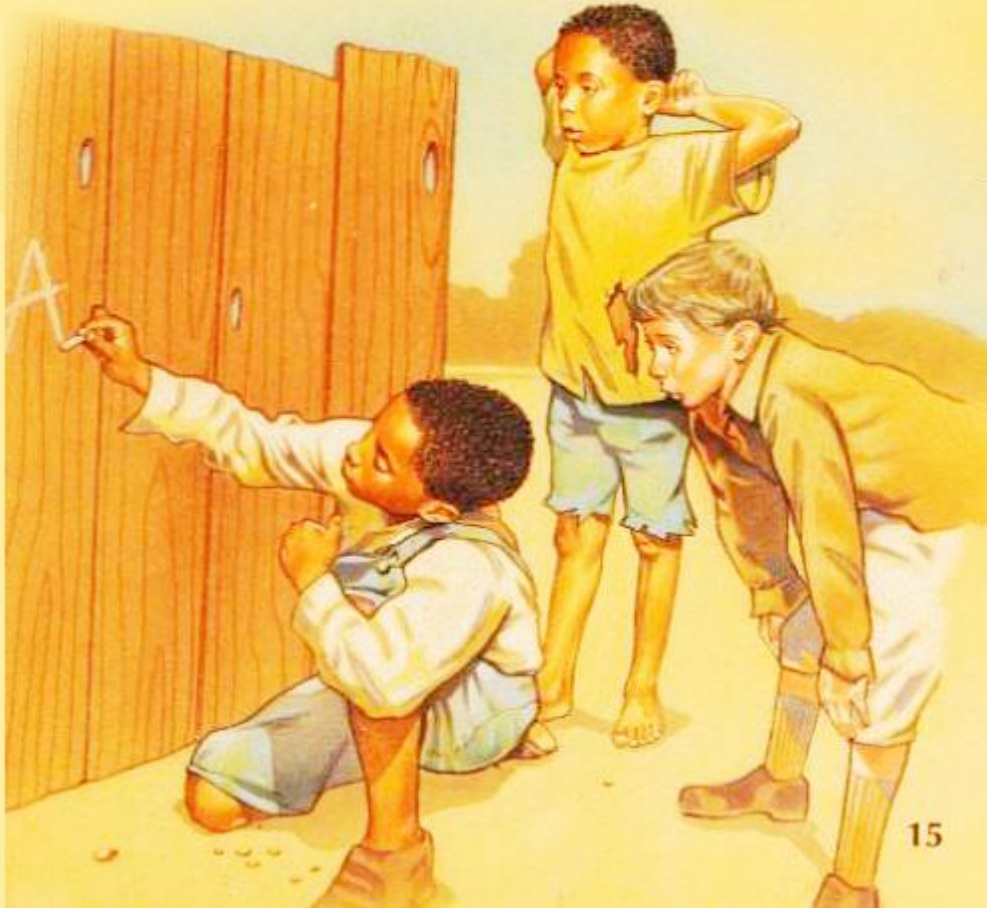

धीरे-धीरे फ्रेडरिक बड़ा हुआ. बीस साल की उम्र में, फ्रेडरिक ने एक नाविक के कपड़े पहने और न्यूयॉर्क शहर भाग गया. जो लोग न्यूयॉर्क और उत्तर अमरीका में रहते थे, उनके पास गुलाम नहीं थे. इसलिए फ्रेडरिक गुलामी से बच निकला.

बाद में फ्रेडरिक ने गुलामी की बुराइयों के बारे में भाषण देते हुए पूरे उत्तरी अमरीका की यात्रा की.

उसने लोगों में गुलामी के प्रति नफरत पैदा करने के लिए लेख और किताबें लिखीं.

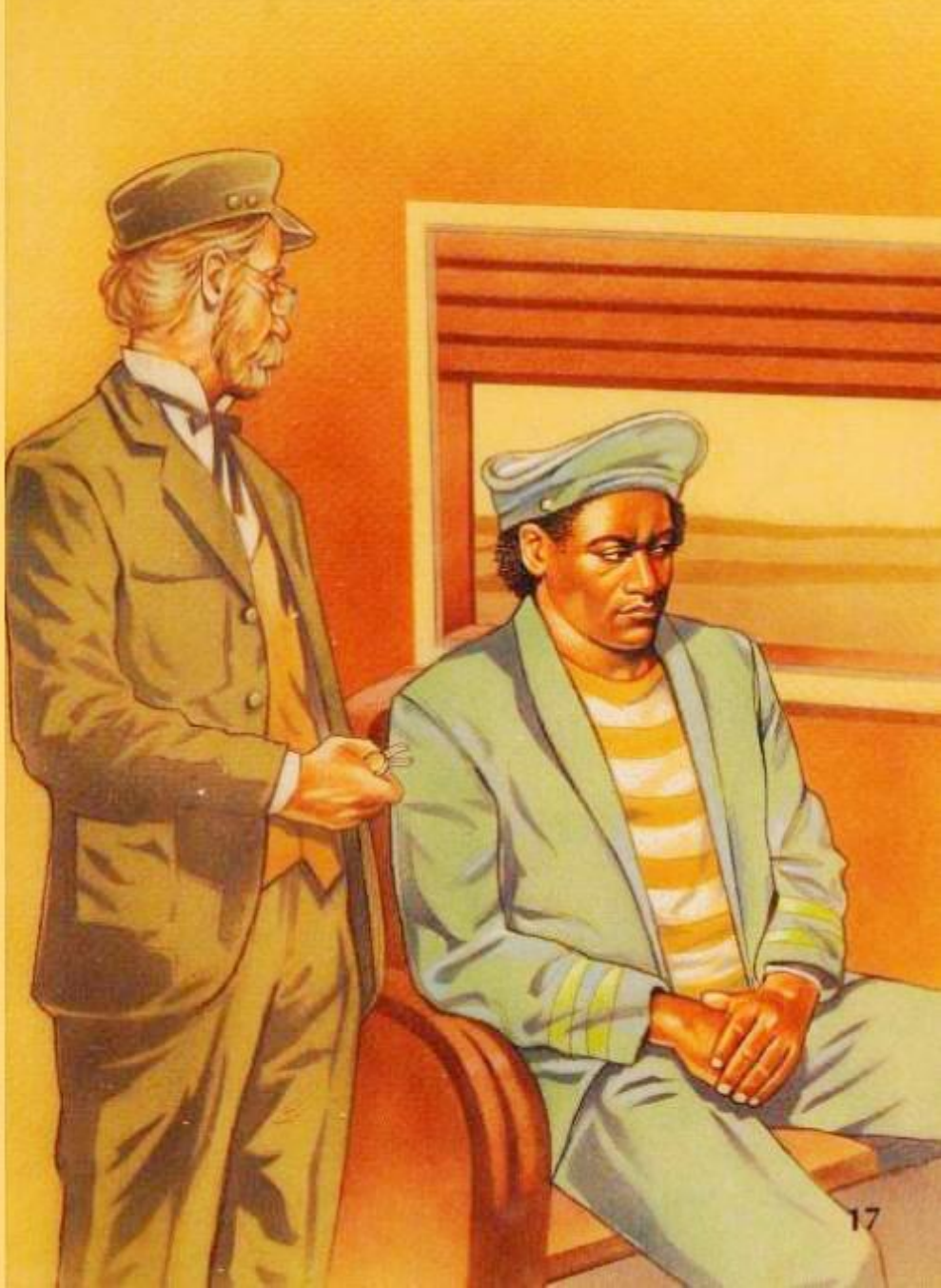

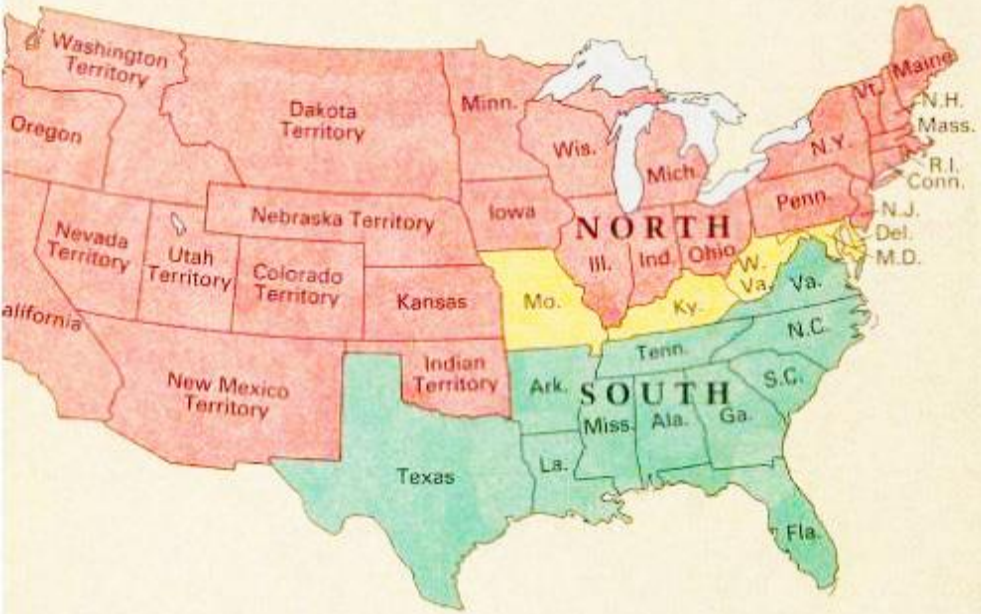

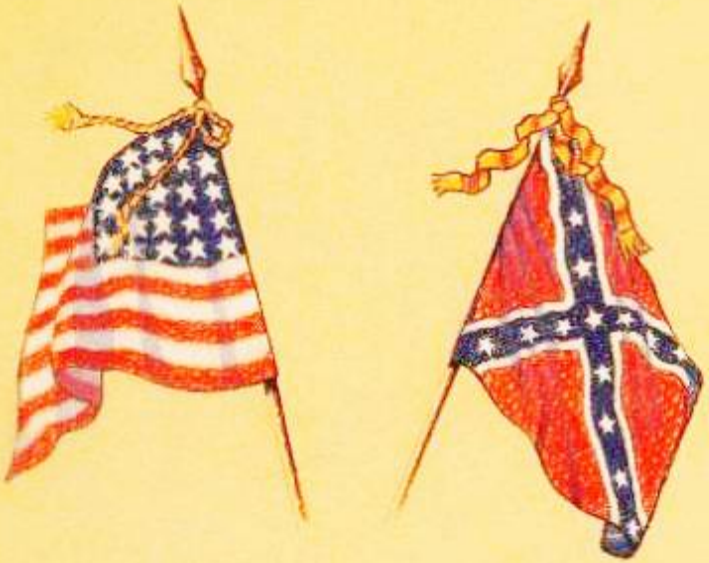

हालांकि अमेरिका में बहुत से लोग इस बात से सहमत थे कि गुलामी गलत थी, लेकिन फिर भी वे लोग गुलामी उन्मूलन ने लिए कुछ नहीं करते थे. दक्षिण के गुलाम मालिक यह नहीं चाहते थे कि अफ्रीकी-अमेरिकी गुलाम स्वतंत्र हों.

उत्तरी और दक्षिणी लोगों के बीच दासता को लेकर बहुत बहस और तू-तू मैं-मैं हुई. अंत में एक भयानक गृहयुद्ध छिड़ा - उत्तर और दक्षिण के बीच में.

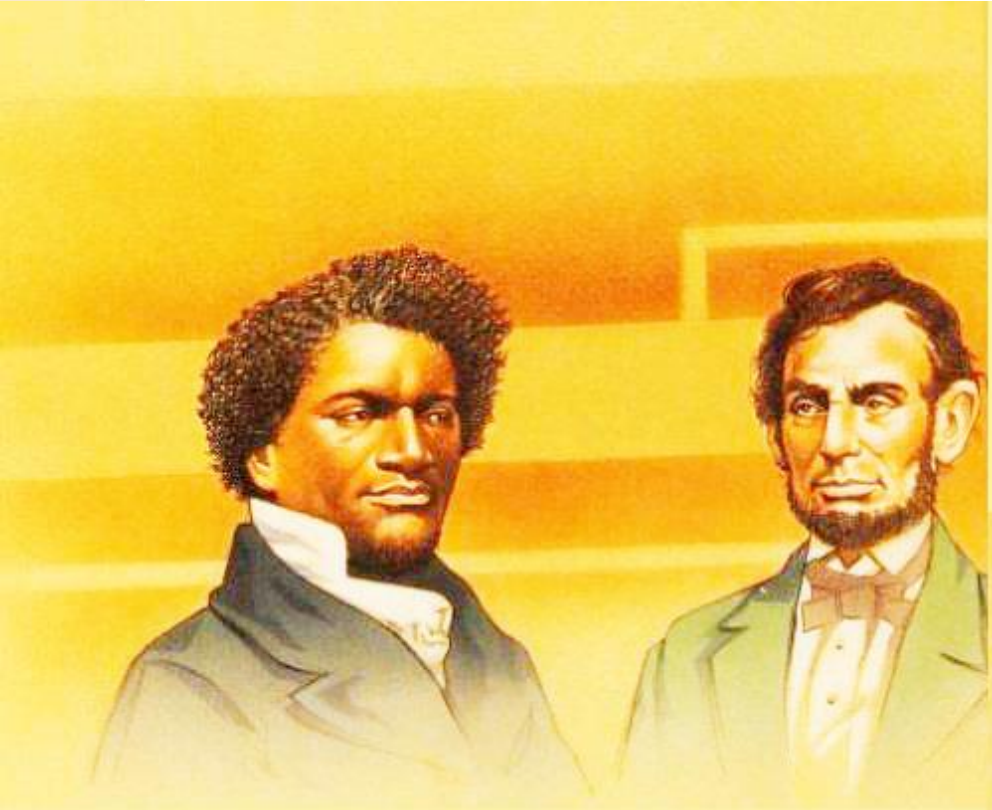

युद्ध के दौरान, फ्रेडरिक राष्ट्रपति लिंकन से मिले. दोनों पुरुषों ने दासता को समाप्त करने के तरीकों के बारे में चर्चा की.

फ्रेडरिक डगलस ने स्वतंत्र अफ्रीकी-अमेरिकी लोगों को राष्ट्रपति की सेना में शामिल होने का आह्वान दिया.

कई अफ्रीकी-अमेरिकी सैनिकों ने उत्तर के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी.

चार साल के युद्ध के बाद, उत्तर की जीत हुई. उसके बाद ही गुलामी खत्म हुई.

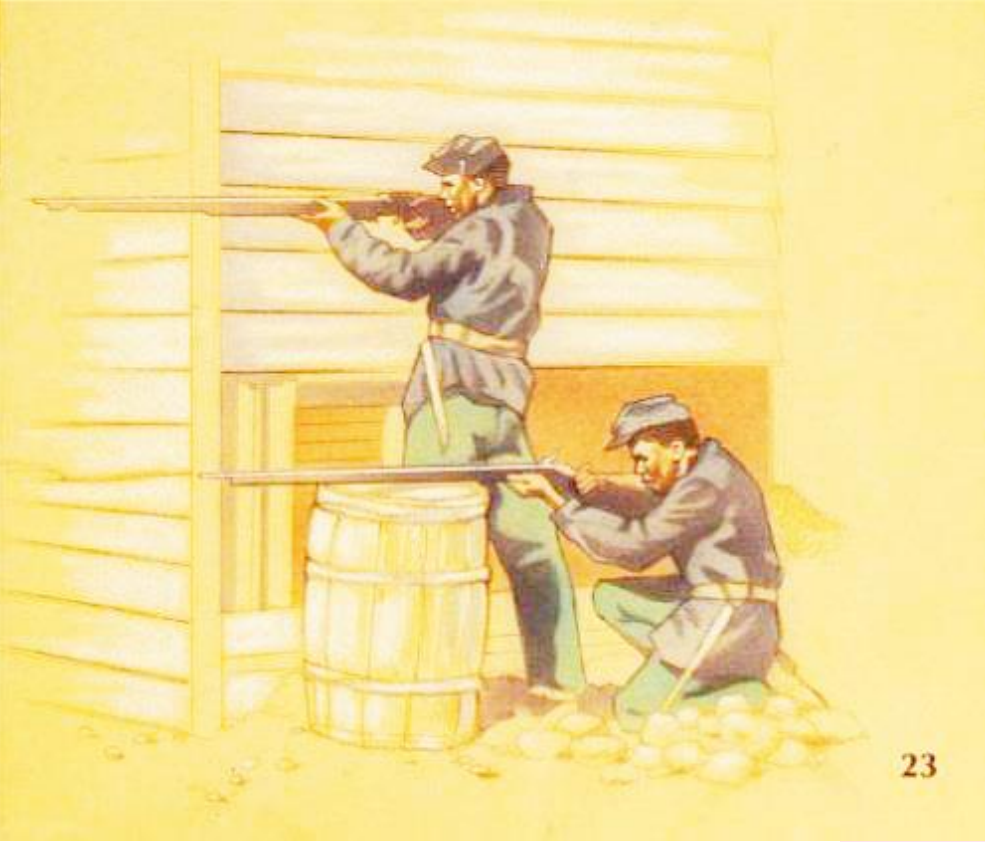

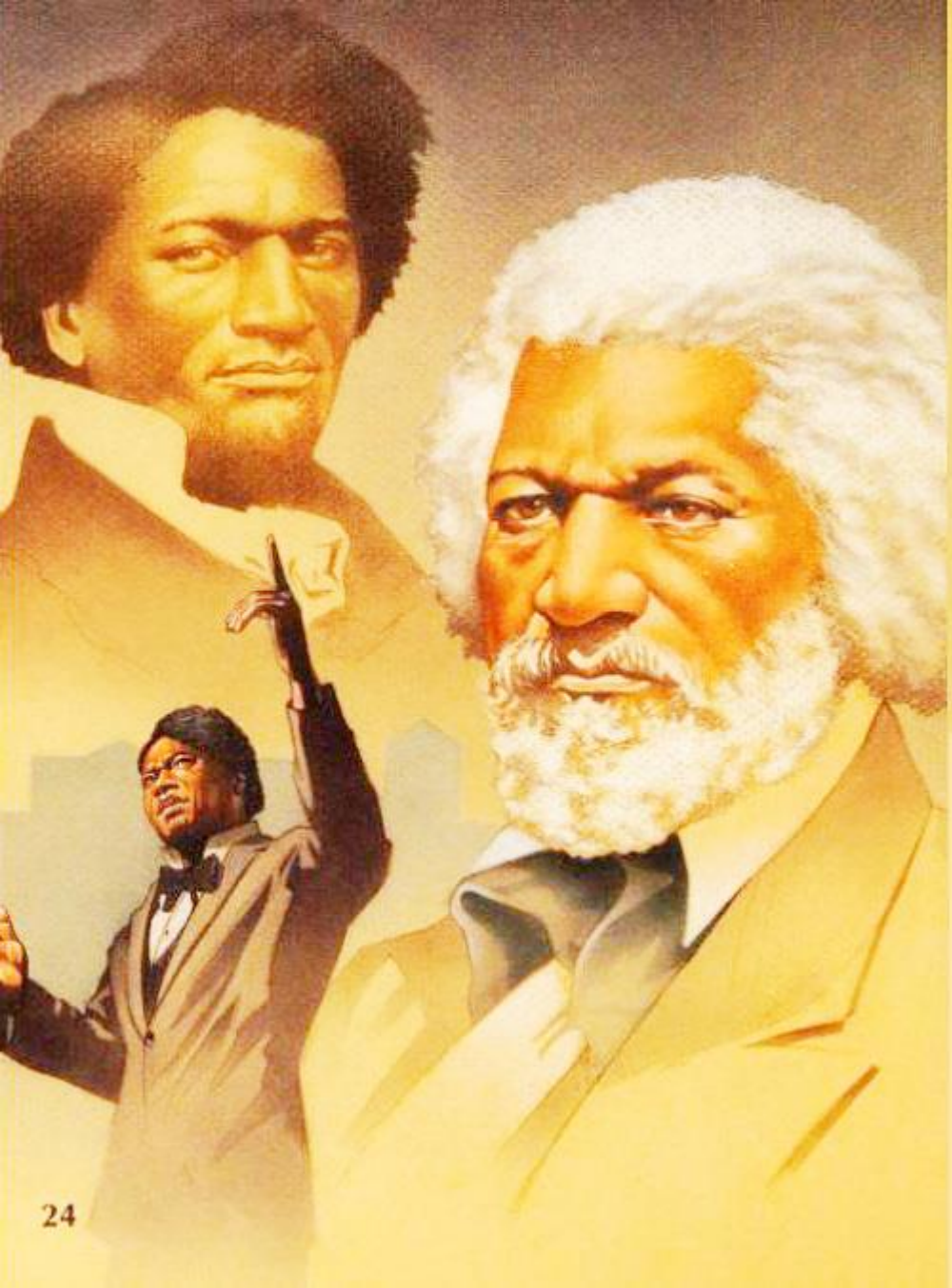

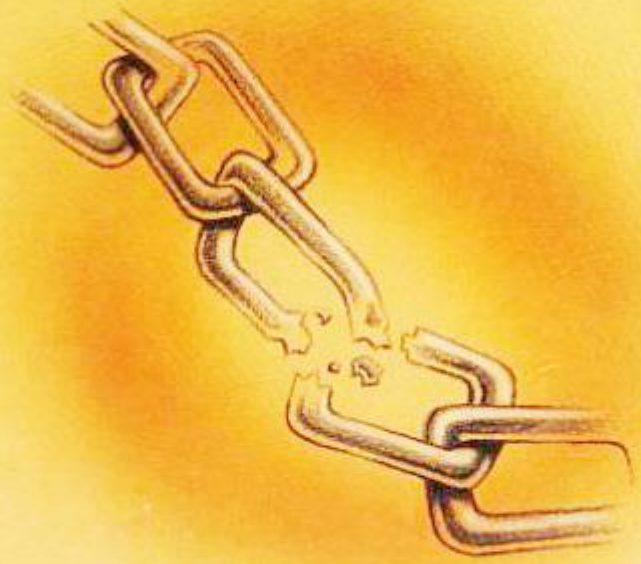

दक्षिण में अफ्रीकी-अमेरिकी गुलाम अपनी आजादी पाकर खुश हुए. वे अब अन्य लोगों की तरह ही एक मुक्त और खुश जीवन जी सकते थे.

अमरीका में स्वतंत्रता लाने में मदद करने के लिए फ्रेडरिक डगलस को हमेशा याद किया जाएगा.